पंजाब केसरी 13/04/2025

जी.एम.एन. कॉलेज में 'स्टॉप रैगिंग, स्टार्ट सपोर्टिंग' विषय पर हुई नारा लेखन प्रतियोगिता

रैगिंग न केवल अपराध है, बल्कि यह हमारे शैक्षणिक वातावरण को दूषित भी करती है : डा. रोहित दत्त

जी.एम.एन. कॉलेज में 'स्टॉप रैगिंग, स्टार्ट सपोर्टिंग' विषय पर आयोजित नारा लेखन प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करते संयोजक।

अम्बाला, 12 अप्रैल (बलराम): रैगिंग जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से अम्बाला छावनी के जी.एम.एन. कॉलेज की एंटी रैगिंग सैल तथा जनप्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'स्टॉप रैगिंग, स्टार्ट सपोर्टिंग' विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कॉलेज के विभिन्न संकायों के 25 विद्यार्थियों ने अपने रचनात्मक नारों के माध्यम से रैगिंग के विरुद्ध सशक्त संदेश दिया।

प्रतियोगिता में एम.कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा जसमीत ने प्रथम स्थान, एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा काजल ने द्वितीय स्थान और बी.बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस गतिविधि के संयोजकों में डा. मंजीत कौर, डा. कृष्ण पूनिया, बृजेश कुमार एवं डा. अमिता सम्मिलित रहे। निर्णायक मंडल में शामिल डा. के.के. पूनिया एवं डा. रवनीत कौर ने प्रतिभागियों के कार्य का निष्पक्ष मूल्यांकन किया।

कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक प्रतियोगिताएं न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देती हैं, बल्कि सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध चेतना भी जागृत करती हैं। उन्होंने कहा कि रैगिंग न केवल एक अपराध है, बल्कि यह हमारे शैक्षणिक वातावरण को दूषित भी करती है। उनके कॉलेज में रैगिंग के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई गई है।

इसी उद्देश्य से कॉलेज में एक सक्रिय एंटी रैगिंग सैल का गठन किया गया है, जो छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। यदि किसी छात्र या छात्रा को रैगिंग संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या होती है तो वह बेझिझक एंटी रैगिंग सैल से संपर्क कर सकता है और कॉलेज प्रशासन उसे हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस प्रतियोगिता ने न केवल रैगिंग के विरुद्ध छात्रों को एकजुट किया, बल्कि आपसी सहयोग और सकारात्मक संवाद की भावना को भी प्रोत्साहित किया।